# “जेंडर-आधारित अधिकार” ढांचे की भ्रांति को समझना:

## सेक्स-आधारित अधिकार बहस में बहिष्करण राजनीति का एक संक्षिप्त विश्लेषण

# स्वीकृतियाँ

यह प्रकाशन काउंट मी इन! (CMI!) कंसोर्टियम के अपोजिशन वर्किंग ग्रुप द्वारा डच विदेश मंत्रालय से उपलब्ध कराए गए फंड के माध्यम से विकसित किया गया था। CMI! एक जेंडर समान और न्यायपूर्ण दुनिया की कल्पना करता है, जहाँ सभी महिलाएं और लड़कियाँ, और गैर-बाइनरी, जेंडर गैर-अनुरूप, ट्रांस और इंटरसेक्स व्यक्ति अपने अधिकारों का पूरी तरह से आनंद लेते हैं और अपनी पूरी क्षमता से जीवन बिताते हैं। CMI! डच विदेश मंत्रालय के साथ एक रणनीतिक साझेदारी है और इसमें सदस्य संगठन मामा कैश (MC), एसोसिएशन फॉर वीमेन राइट्स इन डेवलपमेंट (AWID), क्रिया (CREA), जस्ट एसोसिएट्स (JASS), और सिस्टर फंड्स अर्जेंट एक्शन फंड फॉर फेमिनिस्ट एक्टिविज्म (UAF-FA) और अर्जेंट एक्शन फंड अफ्रीका (UAF -Africa) शामिल हैं। कंसोर्टियम के रणनीतिक भागीदारों में यौनकर्मी (सेक्स वर्कर) के नेतृत्व वाले रेड अम्ब्रेला फंड (RUA) और डच जेंडर प्लेटफॉर्म WO = MEN शामिल हैं।

## साहित्यिक कार्य और परिष्करण

डेनिएला मारिन प्लेटरो – कोऑर्डिनेटर, CMI! अपोजिशन वर्किंग ग्रुप कोऑर्डिनेटर ऑड्रे मुगेनी एम और राधिका सक्सेना - सह-अध्यक्ष, CMI! अपोजिशन वर्किंग ग्रुप और CREA अनीसा डबौसी - सह-अध्यक्ष, CMI! अपोजिशन वर्किंग ग्रुप और AWID

## योगदानकर्ता

रूपसा मलिक - CMI! अपोजिशन वर्किंग ग्रुप की सदस्य, CREA
जे हैमिल्टन – काउंट मी इन! कंसोर्टियम कोऑर्डिनेटर

## अनुवाद

सुनीता भदौरिया और शर्मिला भूषण - ए.एस. इंटरनेशनल

## डिज़ाइन

विदुषी यादव

# प्रस्तावना

दुनिया भर में, जेंडर न्याय और समानता को आगे बढ़ाने वाले आंदोलन तथाकथित "जेंडर-आधारित अधिकारों" के इर्द-गिर्द बने विरोध के उछाल का सामना कर रहे हैं। हालाँकि ये कहानियाँ अक्सर महिलाओं की सुरक्षा का दावा करती हैं, लेकिन वास्तव में ये सेक्स और जेंडर के बारे में एक ऐसी समझ को सुदृढ़ करते हैं जो बहिष्कारी और द्विआधारी है, और इन्हें एक अनिवार्य जैविक आवश्यकता के रूप में देखते हैं। इस तरह के ढांचे ट्रांस, इंटरसेक्स, गैर-बाइनरी और जेंडर-विविध लोगों की जीवित वास्तविकताओं को मिटा देते हैं, साथ ही पितृसत्तात्मक प्रणालियों के खिलाफ सामूहिक संघर्ष को कमज़ोर करते हैं, जो सभी महिलाओं और ढाँचे से बाहर रखे गए जेंडरों को नुकसान पहुँचाते हैं।

जेंडर और अधिकारों के खिलाफ़ बढ़ते विरोध का जवाब देने के लिए, CMI! के अपोज़िशन वर्किंग ग्रुप ने इसे और बहिष्करण संबंधी तर्कों का मुकाबला करना: समावेशी अधिकारों के लिए पैरवी संसाधन को पैरोकारों के लिए एक व्यावहारिक और मज़बूत बनाने वाले टूल के तौर पर तैयार किया है।। यह संसाधन जेंडर-आधारित अधिकारों के ढांचे को खोलता है और उनकी बहिष्करण राजनीति को उजागर करता है, जिसमें अंतर्निहित संरक्षणवाद, गेटकीपिंग और निगरानी, जेंडर की नस्लीय पुलिसिंग और रूढ़िवादी आंदोलनों के साथ गठबंधन शामिल है।

हमने इन संसाधनों को एक साझा विश्वास से बनाया है: कि नारीवादी, मानवाधिकार और समानता आंदोलन समावेशी, साक्ष्य-आधारित और एकजुटता में निहित रहना चाहिए। "जेंडर-आधारित अधिकार" बहस का उदय न केवल जेंडर और यौन विविधता के खिलाफ़ प्रतिक्रिया को दर्शाता है, बल्कि आंदोलनों को विभाजित करने और सामूहिक कार्यवाही को कमज़ोर करने के लिए एक सोच-समझकर किए गए प्रयास को भी दर्शाता है। हमारा मकसद यह सुनिश्चित करना है कि पैरोकार और सहयोगी ऐसी बहिष्कार को बढ़ावा देने वाली कहानियों को चुनौती देने के लिए ज्ञान, भाषा और आत्मविश्वास से लैस हों - और एक ऐसे नारीवाद की पुष्टि करें जो सभी की गरिमा, स्वायत्तता और अधिकारों को बनाए रखे।

# ‘सेक्स-आधारित अधिकार’

**‘सेक्स-आधारित अधिकार’ ढांचे मूल रूप से सेक्स (महिला/पुरुष) की एक निश्चित और द्विआधारी (बाइनरी) समझ के आधार पर जेंडर अनिवार्यता[1] को आगे बढ़ाने की कोशिश करते हैं, बजाय की जेंडर, जेंडर पहचान, यौन रुझान, शारीरिक स्वायत्तता[2] और सत्ता कैसे काम करती है, इसकी व्यापक अंतर्संबंधीय (इंटरसेक्शनल) समझ के आधार पर। वे ट्रांस और सिसजेंडर महिलाओं के अधिकारों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करते हैं और महिलाओं की पहचान और शरीर की विविधता को मिटा देते हैं।**

यह संरचनात्मक रूप से बहिष्कृत समूहों के लिए भलीभाँति स्थापित मानव अधिकार सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है, और जेंडर आधारित हिंसा के मूल कारणों को समझने और संबोधित करने के प्रयासों को कमज़ोर करता है।

- **सतह पर:**
  ये ढांचे खुद को “महिलाओं की रक्षा” करने वाले के रूप में प्रस्तुत करते हैं ताकि महिलाओं और लड़कियों द्वारा अनुभव की जाने वाली हिंसा - जिसे सेक्स पहचान पर आधारित माना जाता है - का सही मायने में जवाब दिया जा सके।

- **व्यवहार में:**
  ये ढांचे किसी ऐसे व्यक्ति को बाहर कर देते हैं जिनकी जेंडर पहचान[3] जन्म के समय सौंपे गए जेंडर[4] के साथ मेल नहीं खाती है - मुख्य रूप से ट्रांस महिलाएं, लेकिन  ट्रांस पुरुष, गैर-बाइनरी और इंटरसेक्स लोग भी, और साथ ही कोई भी व्यक्ति जो सेक्स की द्विआधारिता (बाइनरी) द्वारा लगाए गए मानदंडों का सख्ती से पालन नहीं करते हैं। अंत में, यह सभी के लिए शारीरिक स्वायत्तता के मानकों को कम करता है।

---

[1]**जेंडर अनिवार्यता** यह विश्वास है कि पुरुषों और महिलाओं के पास निश्चित, अंतर्निहित और प्राकृतिक लक्षण हैं जो उनकी क्षमताओं, व्यवहारों और सामाजिक भूमिकाओं को निर्धारित करते हैं। यह मानता है कि जेंडर अंतर जीव विज्ञान में निहित हैं और संस्कृति, इतिहास या सामाजिक संरचनाओं द्वारा आकार देने के बजाय अपरिवर्तनीय हैं।
[2]**शारीरिक स्वायत्तता** अपने स्वयं के शरीर पर नियंत्रण रखने – अपने के स्वास्थ्य, यौनिकता और प्रजनन के बारे में जबरदस्ती, हिंसा या बाहरी नियंत्रण के बिना, स्वतंत्र और जानकारी अधारित निर्णय लेने - का मौलिक मानव अधिकार है। शारीरिक स्वायत्तता जेंडर समानता की नींव है - जिसमें स्वास्थ्य का अधिकार और हिंसा से मुक्त रहने का अधिकार शामिल है।
[3]**जेंडर पहचान** का मतलब है किसी व्यक्ति का जेंडर के बारे में गहराई से महसूस किया गया, अंदरूनी और निजी अनुभव, जो जन्म के समय दिए गए सेक्स से मेल खा भी सकता है और नहीं भी।
[4]**जन्म के समय दिए गए सेक्स** का मतलब है पुरुष या महिला की पहचान जो डॉक्टर शिशुओं को जननांग के आधार पर देते हैं और उनके जन्म के रिकॉर्ड पर लिखी होती है।

# प्रतिबंध से अधिकार, विस्तार से नहीं

सेक्स-आधारित अधिकार ढांचे विस्तृत ढांचे के बजाय प्रतिबंधात्मक ढांचे पर टिके हुए हैं और अक्सर ज़रूरत से अधिक पुलिसिंग (कानून प्रवर्तन) का कारण बनते हैं।

- **प्रतिबंधात्मक अधिकार ढांचे पात्रता को फिर से परिभाषित करने के लिए काम करते हैं। वे अधिकारों से लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या को कम करते हैं और अक्सर हाशिए पर रहने वाले व्यक्तियों पर अत्याचार करने और उन्हें बाहर करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और इसे सुरक्षा का नाम देते हैं।** यह दूसरों की कीमत पर एक श्रेणी की सीमाओं को बनाए रखता है, और प्रणालीगत असमानता और भेदभाव और हिंसा के मूल कारणों को संबोधित करने को नजरंदाज करता है।

**'जेंडर-आलोचनात्मक नारीवादी'[5] अक्सर उन कानूनों की पैरवी करते हैं जो ट्रांस महिलाओं को महिलाओं के शौचालय, लॉकर रूम या चेंजिंग एरिया का उपयोग करने से रोकते हैं।** ये अभियान अक्सर "सुरक्षा" या "गोपनीयता" का आह्वान करते हैं, लेकिन विधायी प्रस्तावों में तब्दील हो जाते हैं जो ट्रांस लोगों को सार्वजनिक जीवन में समान भागीदारी से बाहर करते हैं। यूनाइटेड किंगडम सुप्रीम कोर्ट का फैसला: महिलाओं के लिए स्कॉटलैंड लिमिटेड बनाम स्कॉटिश मंत्री (2025), जिसके तहत यूके सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया कि समानता अधिनियम 2010 के तहत, "पुरुष," "महिला," और "सेक्स" शब्दों को जेंडर पहचान के बजाय जैविक सेक्स के संदर्भ में लिया जाना चाहिए, इसी को दर्शाता है।[6]

**एक और आम कदम ट्रांस लोगों, विशेष रूप से ट्रांस युवाओं के लिए चिकित्सा देखभाल को रोकने या पूरी तरह प्रतिबंधित करने के लिए कानूनों को बढ़ावा देना है।** इसमें ऐसे कानूनों का समर्थन करना शामिल है जो यौवन (पुबर्टी) रोकने वाली दवाओं, हार्मोन थेरेपी या सर्जरी पर रोक लगाते हैं - तब भी जब डॉक्टर, माता-पिता और व्यक्ति खुद इसका समर्थन करते हों। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमरीका में, 25 राज्यों ने मार्च 2025 तक ट्रांसजेंडर युवाओं के लिए जेंडर-पुष्टि (जेंडर अफ़र्मिंग) देखभाल पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया है।[7] 'जेंडर-आलोचनात्मक नारीवादी' स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच की सुविधा से इनकार करके और दूसरों के लिए इसे प्रदान करने को गैर-कानूनी बनाकर, अपने विचारों को सरकार द्वारा लागू करने पर ज़ोर देते हैं।

**जेंडर-आधारित बहिष्करण को सेक्स-आधारित अधिकारों की सुरक्षा के एक रूप के तौर पर स्थापित करके, ढांचे उसी संरक्षणवादी तर्क को उपयोग करते हैं जिसने ऐतिहासिक रूप से महिलाओं की समानता को सीमित कर दिया है,** जैसे कि महिलाओं की गतिशीलता पर प्रतिबंध जो महिलाओं को उनकी कथित सुरक्षा के लिए उनके घरों तक सीमित करते हैं, या ऐसे कानून जो महिलाओं की सुरक्षा को बढ़ावा देना चाहते हैं, जबकि गर्भपात तक पहुँच के सुविधा को अपराध करार देते हैं।

---

[5]**जेंडर-आलोचनात्मक नारीवादियों** का कहना है कि जैविक सेक्स एक मौलिक और अपरिवर्तनीय विशेषता है जो जेंडर पहचान से अलग है और जेंडर पहचान और जेंडर आत्म-पहचान की अवधारणाओं को जेंडर भूमिकाओं से जुड़ी अंदरूनी तौर पर दबाने वाली चीज़ें मानते हैं।
[6]अधिक जानकारी के लिए - देखें: An interim update on the practical implications of the UK Supreme Court judgment | EHRC
[7]अधिक जानकारी के लिए - देखें: "They're Ruining People's Lives": Bans on Gender-Affirming Care for Transgender Youth in the US | HRW

# संरक्षणवाद की राजनीति

**संरक्षणवादी ढांचे - कानून और नीतियाँ जो महिलाओं और अन्य "कमज़ोर समूहों" की सुरक्षा का दावा करती हैं - न्याय, सुरक्षा या नैतिकता के नाम पर नियमित रूप से पेश की जाती हैं।** फिर भी ये ढांचे व्यवस्थित रूप से कानून प्रवर्तन, जेल और निगरानी सहित पुलिसिंग और सज़ा की सरकारी प्रणालियों की पहुँच का विस्तार करते हैं, ताकि सुरक्षा तेजी से नियंत्रण का रूप ले सके। नारीवादी कानूनी विद्वानों ने दिखाया है कि कैसे घरेलू हिंसा, तस्करी और यौन शोषण के खिलाफ अभियान अक्सर उन राजनीतिक रणनीतियों के साथ गठबंधन करते हैं जो अधिक पुलिसिंग और कठोर दंड पर ज़ोर देते हैं - जिसे आम तौर पर "कानून-व्यवस्था की राजनीति"[8] कहा जाता है। एलिजाबेथ बर्नस्टीन द्वारा "कार्सरल नारीवाद" के रूप में वर्णित यह तालमेल, दंडात्मक सरकारी संस्थानों पर भरोसा करने के अंतर्निहित जोखिमों को दर्शाता है, जिनके मूलभूत तर्क देखभाल के बजाय नियंत्रण में आधारित हैं।[9] [10] वे जेंडर आधारित हिंसा और असमानता के प्राथमिक समाधान के रूप में पुलिसिंग, अभियोजन और कारावास पर भरोसा करते हैं।

संरक्षणवादी ढांचे ऐसी मान्यताओं के माध्यम से काम करते हैं, जो बहिष्कार करती हैं, कि कौन से लोग सुरक्षा के "लायक" हैं। वे एक कल्पित "आदर्श पीड़ित" को केंद्रित करते हैं - जो अक्सर सफेद, मध्यम वर्ग, सिसजेंडर होता है और एक नागरिक होता है, जिसके अनुभव प्रमुख सामाजिक मानदंडों के साथ तालमेल में होते हैं। इस संकीर्ण ढांचे के बाहर की महिलाएं, जिनमें प्रवासी, यौनकर्मी, नस्लीय महिलाएं, और क्वीयर, इंटरसेक्स और ट्रांस लोग शामिल हैं, अक्सर खुद को न केवल असुरक्षित पाते हैं, बल्कि उनकी मदद करने के लिए डिज़ाइन किए गए कानूनों द्वारा सक्रिय रूप से लक्षित होते हैं। तस्करी विरोधी कानूनों के तहत सेक्स वर्क का अपराधीकरण एक स्पष्ट उदाहरण प्रदान करता है: जबकि इसे पीड़ितों को बचाने के तौर पर देखा जाता है, ऐसे कानूनों की वजह से अक्सर पुलिस रेड, ज़्यादा निगरानी, देश से निकाले जाना, और सेक्स वर्कर्स के लिए ज़्यादा असुरक्षित स्थिति होती है।[11] [12] इस प्रकार सुरक्षा महिलाओं के श्रम, यौनिकता और उत्तरजीविता (सर्वाइवल) रणनीतियों की निगरानी के लिए एक तरीका बन जाती है।

**सबसे मौलिक रूप से, संरक्षणवादी ढांचे नुकसान के संरचनात्मक चालकों को संबोधित करने में विफल रहते हैं। जेंडर आधारित हिंसा प्रणालीगत दमनकारी संरचनाओं के जड़ में है जो अलग-अलग व्यक्तिगत कृत्यों से उभरने के बजाय कई और एक साथ चलने वाली कृत्यों का परिणाम हैं।** संरक्षणवादी दृष्टिकोण महिलाओं के व्यवहार के नैतिक विनियमन को सुदृढ़ करते हैं - कुछ को "निर्दोष पीड़ितों" के रूप में और अन्य को "विचलित" या "अयोग्य" के रूप में नाम देते हैं - जबकि संरचनात्मक स्थितियों को पूरी तरह से बरकरार रखते हैं, जिनके कारण असल में हिंसा उत्पन्न होती है।

---

[8]ग्रुबर, आया. द फेमिनिस्ट वॉर ऑन क्राइम: द अनएक्सपेक्टेड रोल ऑफ विमेन्स लिबरेशन इन मास इनकारसेरेशन. बर्कले: यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया प्रेस, 2020.
[9]बर्नस्टीन, ई. (2007). "द सेक्शुअल पॉलिटिक्स ऑफ़ द "न्यू एबोलिशनिज़्म". मतभेद, 18(3), 128–151. https://doi.org/10.1215/10407391-2007-013
[10]बर्नस्टीन, एलिजाबेथ. "कार्सेलर पॉलिटिक्स ऐज़ जेंडर जस्टिस? द 'ट्रैफिक इन वूमेन' एंड निओलिब्रल सर्किट्स ऑफ़ क्राइम, सेक्स एंड राइट्स." थ्योरी एंड सोसाइटी 41, संख्या 3 (मई 2012): 233-259.
[11]बर्नस्टीन, ई. (2007). "द सेक्शुअल पॉलिटिक्स ऑफ़ द "न्यू एबोलिशनिज़्म". मतभेद, 18(3), 128–151. https://doi.org/10.1215/10407391-2007-013
[12]ओपरा, जे. सी. (एड.). (2001). ग्लोबल लॉकडाउन: रेस, जेंडर, और प्रिज़न-इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स. रूटलेज.

# महिलाओं को एक स्वाभाविक और स्थायी रूप से कमजोर वर्ग के रूप में प्रस्तुत करना

सेक्स-आधारित अधिकारों के ढांचे के केंद्र में महिलाओं की एक हानिकारक, जैविक अनिवार्यतावादी समझ है, जो उनके जन्म-निर्धारित सेक्स के आधार पर उन्हें कमज़ोर, नाजुक और हमेशा के लिए दुर्बल परिभाषित करती है।

यह आख्यान:

- **सुरक्षा को ऐसी चीज़ के तौर पर दिखाती है जिसकी गारंटी सिर्फ़ पुरुषों और ऐसे किसी भी व्यक्ति से जिसे "पुरुष समझा जाता है, पूरी तरह अलग रखकर ही दी जा सकती है। यह महिलाओं और पुरुषों दोनों की एक समरूप श्रेणी में रखती है, और उन्हें पीड़ित और अपराधी बना देती है।**

- **महिलाओं की स्वायत्तता, ताकत या एजेंसी के लिए बहुत कम जगह छोड़ती है।**

महिलाओं को हमेशा कमज़ोर और नाज़ुक वर्ग के तौर पर दिखाकर, यह तर्क दूसरों को अलग समझने (अदरिंग) पर टिकी है, जहाँ:

- **एक 'खतरनाक बाहरी व्यक्ति' (एक ट्रांस व्यक्ति, एक प्रवासी, एक नस्लीय पुरुष) का निर्माण किया जाता है, जिसे बाहर रखा जाना चाहिए।**

- **सुरक्षा या निष्पक्षता के नाम पर असमान व्यवहार उचित है।**

- **पदानुक्रम को मज़बूत किया जाता है, यानी, ट्रांस महिलाओं की तुलना में सिस महिलाओं की, अश्वेत पुरुषों की तुलना में गोरी महिलाओं की, गोरी महिलाओं की तुलना में गोरे पुरुषों की प्रधानता आदि।**

# नियंत्रण (गेटकीपिंग) और निगरानी

सेक्स-आधारित अधिकारों के ढांचों के लिए अनिवार्य रूप से "नारीत्व" की सीमाओं को नियंत्रित करने की आवश्यकता होती है। यदि आश्रयों, खेल, या शौचालयों तक पहुँच "वास्तविक" सेक्स पर निर्भर है, तो:

- **आईडी, जन्म प्रमाण पत्र या चिकित्सा इतिहास चौकियाँ बन जाते हैं।**

- **जो लोग जेंडर मानदंडों [13] के अनुरूप नहीं हैं (बुच लेस्बियन, ट्रांस महिलाएं, किसी जेंडर में न बंधने वाले (नॉन-कॉन्फ़ॉर्मिंग) लोग, आदि) संदिग्ध बन जाते हैं, अक्सर उन्हें परेशान किया जाता है या अलग कर दिया जाता है।**

यह न केवल निगरानी का विस्तार करता है, बल्कि यह महिलाओं के शरीर की पितृसत्तात्मक पुलिसिंग को मज़बूत करता है।

# जेंडर की नस्लीय पुलिसिंग

पितृसत्ता केवल "यौन शरीरों" के बारे में नहीं है - यह जेंडर भूमिकाओं, यौनिकता और शारीरिक स्वायत्तता को नियंत्रित करने के बारे में है। ट्रांस, इंटरसेक्स और ग़ैर-बाइनरी लोग इन नियंत्रणों का तीव्रता से अनुभव करते हैं। सेक्स-आधारित अधिकार ढांचे रंग की महिलाओं और किसी जेंडर में न बंधने वाले (नॉन-कॉन्फ़ॉर्मिंग) लोगों को असमान रूप से नुकसान पहुँचाते हैं:

- "नारीत्व" कैसा दिखता है, इसके कठोर विचार को श्वेत, यूरोपीय दृष्टिकोण के सौंदर्य मानकों द्वारा आकार दिया जाता है। काले और भूरे रंग की महिलाओं को अक्सर अधिक मर्दाना, आक्रामक या बहुत अधिक कामुक (हाइपरसेक्सुअल) के रूप में रूढ़िबद्ध किया जाता है। [14] [15] [16]
- काली और भूरी महिलाओं, विशेष रूप से वे जो अधिक मर्दाना प्रस्तुति या भाव वाली होती हैं, उनके साथ गलत व्यवहार, उत्पीड़न, या बाथरूम और सार्वजनिक स्थानों, जिसमें खेल भी शामिल हैं, पर पुलिस द्वारा निगरानी किए जाने की संभावना अधिक होती है।
- **ट्रांस-विरोधी नीतियाँ मौजूदा नस्लीय प्रोफाइलिंग को बढ़ाती हैं, क्योंकि जेंडर पुलिसिंग कभी भी नस्लीय पुलिसिंग से अलग नहीं होती है।** उदाहरण के लिए, अश्वेत ट्रांस महिलाओं को कई जोखिमों का सामना करना पड़ता है - उन्हें "पुरुष खतरों" के रूप में लक्षित किया जाता है, जबकि नस्लवाद द्वारा उन्हें अपराधी भी माना जाता है।

---

[13]जेंडर मानदंड सामाजिक और सांस्कृतिक नियम हैं जो व्यक्तियों के अपेक्षित व्यवहार, दिखावे और भूमिकाओं को उनके कथित जेंडर के आधार पर परिभाषित करते हैं

[14]बॉन्ड, केटी, लेब्लांक, एनएम, विलियम्स, पी., गेब्रियल, सीए, और अमुताह-ओनुकाघा, एन.एन. (2021). युवा अश्वेत सिसजेंडर महिलाओं के बीच नस्ल-आधारित यौन रूढ़िवाद, जेंडर आधारित  नस्लवाद और यौन निर्णय लेना। जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ, 46(4), 724-733.

[15]डोनोवन, आर.ए. (2011). कठिन या कोमल: (अ)श्वेत और श्वेत महिलाओं के बारे में श्वेत कॉलेज के छात्रों की धारणाओं में समानताएं. साइकोलॉजी ऑफ़ वूमेन क्वार्टरली, 35(3), 458-468

[16]क्लोनन-रॉय, के. (2018). अनुचित रूप से आक्रामक और खतरनाक रूप से विनम्र: लैटिना लड़कियाँ  नए लातीनी डायस्पोरा में नस्लीय यौनीकरण का मार्ग खोजती हैं और विरोध करती हैं. गर्ल्स, अग्रेशन, एंड इंटरसेक्शनेलिटी, रूटलेज।

# रूढ़िवादी आंदोलनों के साथ गठबंधन

**'सेक्स-आधारित अधिकार' जो बहिष्करण करती है की राजनीति अक्सर अन्य रूढ़िवादी और नारी-विरोधी विचारों के बराबर होती है।** सेक्स-आधारित अधिकारों के तर्क, जैसे कि ट्रांस महिलाओं को महिलाओं के स्थानों से बाहर रखना, अक्सर शौचालय प्रतिबंध, खेल प्रतिबंध और ट्रांस-विरोधी स्वास्थ्य सेवा कानूनों के लिए रूढ़िवादी दबावों के साथ सीधे ओवरलैप होते हैं। यह अजीबोगरीब गठबंधन बनाता है: जहाँ 'नारीवादी' या जो समूह महिलाओं के अधिकारों के साथ पहचान करते हैं और ट्रांस समावेशन का विरोध करते हैं, खुद को उन समूहों के साथ अभियान चलाते पाते हैं जो गर्भ समापन, गर्भनिरोधक या समान वेतन कानूनों का भी विरोध करते हैं। उदाहरण के लिए, "जेंडर विचारधारा"[17] कथाओं का उपयोग सेक्स-आधारित अधिकारों के पैरोकारों और विविध रूढ़िवादी कर्ताओं द्वारा ट्रांस लोगों के अधिकारों पर सवाल उठाने और हमला करने के लिए किया जाता है। ये बहस ट्रांस और सिसजेंडर महिलाओं के अधिकारों के बीच एक कृत्रिम बाइनरी का निर्माण करते हैं, जबकि महिलाओं की पहचान और शारीरिक अनुभवों की बहुलता को अस्पष्ट करते हैं। **परिणाम होता है एक गठबंधन जो न केवल ट्रांस अधिकारों को कमज़ोर करता है, बल्कि प्रजनन न्याय, क्वीयर मुक्ति और समग्र रूप से महिलाओं की समानता को भी कमज़ोर करता है।**

- यूके में, 'जेंडर-आलोचनात्मक नारीवादी' रूढ़िवादी राजनेताओं और मीडिया आउटलेट्स के साथ जेंडर मान्यता अधिनियम (GRA) में सुधारों का विरोध करते हुए सामने आए हैं। "फेयर प्ले फॉर विमेन" जैसे समूह ने रूढ़िवादी सांसदों जैसे ही तर्कों का उपयोग करते हुए GRA[18] का विरोध किया।

- "महिलाओं के लिए उचित खेल" जैसे समूहों ने रूढ़िवादी सांसदों के रूप में लगभग समान तर्कों का उपयोग करते हुए जीआरए (GRA) का विरोध किया।

- संयुक्त राज्य अमरीका में, कुछ 'जेंडर-आलोचनात्मक नारीवादी' समूह खेल या स्वास्थ्य देखभाल तक ट्रांस पहुँच को सीमित करने के लिए रूढ़िवादी के नेतृत्व वाले मुकदमों में शामिल हो गए हैं, यहाँ तक कि वही रूढ़िवादी गर्भ समापन के अधिकारों को प्रतिबंधित करने के लिए काम करते हैं[19]। विमेंस लिबरेशन फ्रंट (WoLF) ने ट्रांसजेंडर अधिकारों के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में कई "न्यायालय मित्र ब्रीफ" (एमिकस क्यूरी ब्रीफ) दायर किए हैं।[20]

- यूरोप[21] और लैटिन अमरीका[22] में, रूढ़िवादी कैथोलिक और इंजील समूहों ने "जेंडर विचारधारा" का विरोध करने के लिए 'जेंडर-आलोचनात्मक नारीवादियों' के समान बयानबाजी को अपनाया है, इन समूहों के बीच अंतर को धुंधला कर दिया है।[23]

पितृसत्तात्मक और रूढ़िवादी आंदोलनों ने सामूहिक शक्ति को कमज़ोर करने के लिए लंबे समय से नारीवादी स्थानों के भीतर विभाजन का उपयोग किया है। सेक्स-आधारित अधिकार राजनीति सिस महिलाओं और ट्रांस महिलाओं के बीच एक सीमा खींचकर और एकजुटता को कमज़ोर करके और गठबंधन को विभाजित करके इस पैटर्न को दोहराती है जो अन्यथा प्रजनन न्याय, शारीरिक स्वायत्तता, LGBTQI+ अधिकारों और जेंडर समानता के लिए लड़ते हैं।

---

[17]एसोसिएशन फॉर विमेन्स राइट्स इन डेवलपमेंट (AWID). (2022, जुलाई). "जेंडर आइडियोलॉजी" नैरेटिव: ए थ्रेट टू ह्यूमन राइट्स [पॉलिसी ब्रीफ]. AWID. https://www.awid.org/sites/default/files/2022-08/Final%20EN%20Web%20-%20Gender%20Ideology%20Brief%20-%20July%202022.pdf

[18]फेयर प्ले फॉर विमेन. (2020). फेयर प्ले फॉर विमेन (GRA16877) द्वारा प्रस्तुत लिखित साक्ष्य. यूके पार्लियामेंट विमेन एंड इक्वालिटीज़ कमेटी. https://committees.parliament.uk/writtenevidence/16877/html/

[19]श्मिट, एस. (2020, 7 फरवरी). रूढ़िवादियों को ट्रांसजेंडर अधिकारों की लड़ाई में एक ऐसा साथी मिला है जो उम्मीद से कम है: रेडिकल फेमिनिस्ट्स. द वाशिंगटन पोस्ट. https://www.washingtonpost.com/dc-md-va/2020/02/07/radical-feminists-conservatives-transgender-rights/

[20]ट्रांस डेटा लाइब्रेरी. (n.d.). विमेंस लिबरेशन फ्रंट. ट्रांस डेटा लाइब्रेरी. https://transdatalibrary.org/organization/womens-liberation-front/

[21]कुहार, आर., और पैटरनोट्टे, डी. (सं.). (2017). एंटी जेंडर कैम्पेंस इन यूरोप : मोबिलाइजिंग अगेंस्ट इक्वलिटी. रोवमैन एंड लिटिलफ़ील्ड इंटरनेशनल.

[22]मोरान फाउंडेस, जे. एम., और सग्रो रुआटा, एम. सी. (2022). लैटिन अमरीका में गर्भपात विरोधी आंदोलन: बदलाव के क्षेत्र के संकेत. रेविस्टा डायरिटो जी.वी., 18(3).

[23]मरे, एल. (2022). 'पॉइंट मिसिंग': मानव अधिकार और स्वास्थ्य के मेल पर जेंड-विरोधी राजनीति के उभरने और उसकी मुश्किलों के बारे में सोनिया कोरेया के साथ बातचीत। ग्लोबल पब्लिक हेल्थ, 17(12), 3398-3408. https://doi.org/10.1080/17441692.2022.2135751

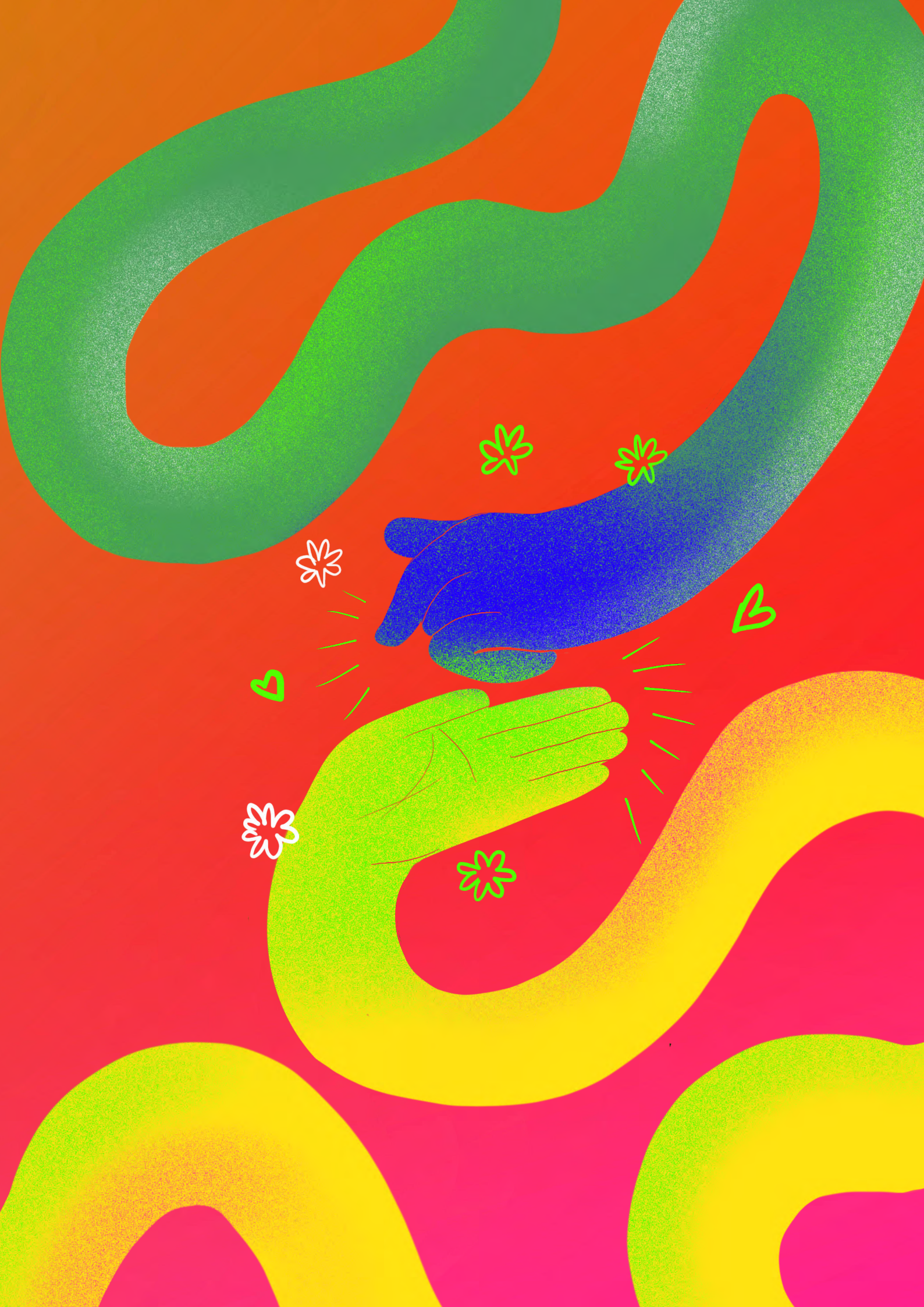

count me IN!

mama cash

awid

crea

JASS JUST POWER

FOR FEMINIST ACTIVISM URGENT ACTION FUND

URGENT ACTION FUND AFRICA FOR WOMN'S HUMAN RIGHTS

Red Umbrella Fund

women Dutch Gender Platform